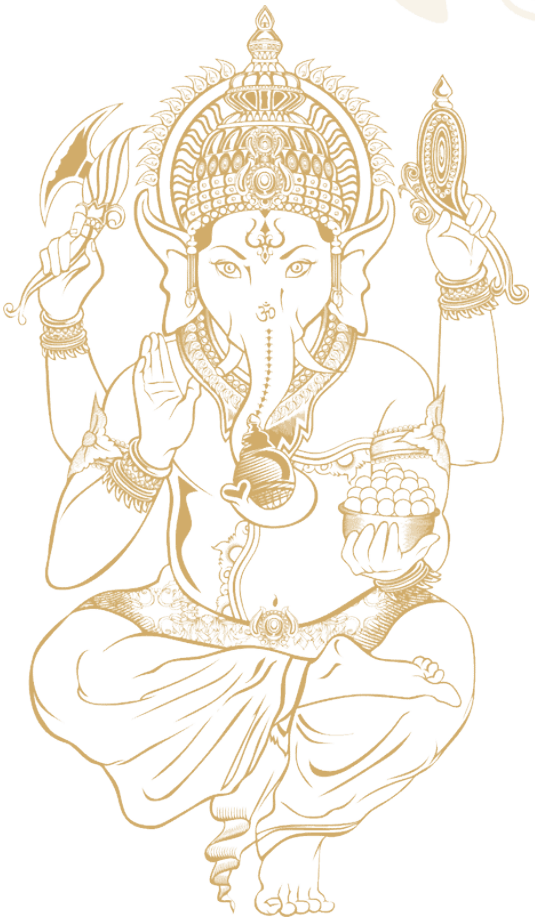

??????

14 Oct 2000

10:56 AM

Baksara

Model: web-freekundliweb

Order No: 121833610

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/10/2000**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**10:56:00 घंटे**
इष्ट	13:26:59 घटी
स्थान	**Baksara**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	22:35:00 उत्तर
रेखांश	88:17:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:19:08 घंटे
वेलान्तर	00:14:02 घंटे
साम्पातिक काल	12:51:25 घंटे
सूर्योदय	05:33:12 घंटे
सूर्यास्त	17:12:17 घंटे
दिनमान	11:39:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	27:18:28 कन्या
लग्न के अंश	08:24:19 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	हर्षण
करण	कौलव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चो-चोलुक्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	08:24:19	334:08:57	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
सूर्य			कन्या	27:18:28	00:59:25	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	सम राशि
चंद्र			मेष	08:01:29	13:36:37	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल			सिंह	23:12:15	00:37:23	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध			तुला	20:50:54	00:28:23	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
गुरु	व		वृष	17:00:36	00:02:56	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	00:01:04	01:12:57	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	सम राशि
शनि	व		वृष	06:14:08	00:03:12	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	26:00:19	00:12:38	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	26:00:19	00:12:38	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	23:05:46	00:00:37	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप	व		मक	09:55:39	00:00:03	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	17:04:36	00:01:40	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			कन्या	20:06:07	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:47

लग्न-चलित

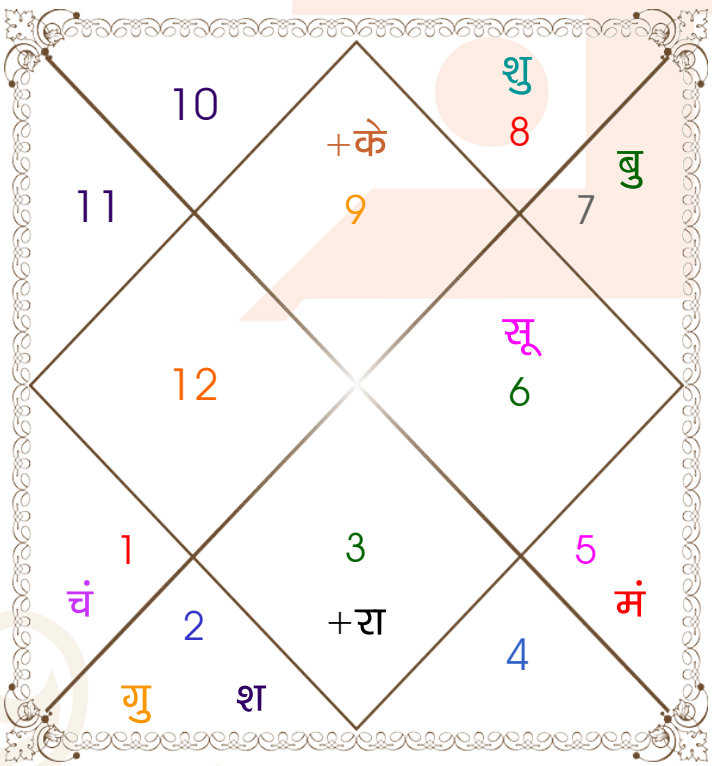

चन्द्र कुंडली

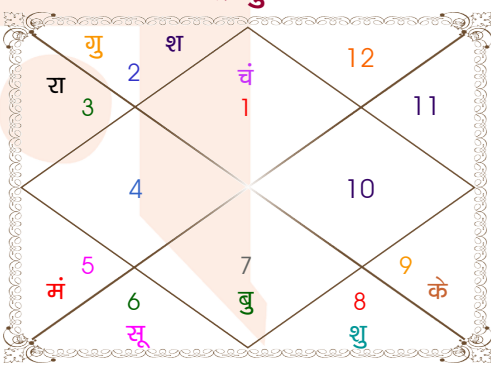

नवमांश कुंडली

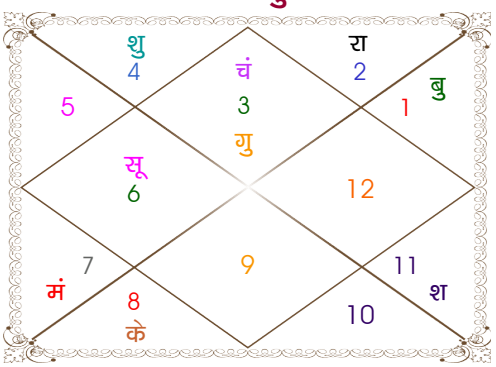

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 9 मास 13 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
14/10/2000		29/07/2003		29/07/2023		28/07/2029		29/07/2039	
29/07/2003		29/07/2023		28/07/2029		29/07/2039		29/07/2046	
	00/00/0000	शुक्र	27/11/2006	सूर्य	15/11/2023	चंद्र	29/05/2030	मंगल	25/12/2039
	00/00/0000	सूर्य	28/11/2007	चंद्र	16/05/2024	मंगल	28/12/2030	राहु	12/01/2041
	00/00/0000	चंद्र	28/07/2009	मंगल	21/09/2024	राहु	28/06/2032	गुरु	18/12/2041
	00/00/0000	मंगल	28/09/2010	राहु	16/08/2025	गुरु	28/10/2033	शनि	27/01/2043
	00/00/0000	राहु	27/09/2013	गुरु	04/06/2026	शनि	29/05/2035	बुध	24/01/2044
	14/10/2000	गुरु	28/05/2016	शनि	17/05/2027	बुध	27/10/2036	केतु	22/06/2044
गुरु	22/06/2001	शनि	29/07/2019	बुध	22/03/2028	केतु	29/05/2037	शुक्र	22/08/2045
शनि	01/08/2002	बुध	29/05/2022	केतु	28/07/2028	शुक्र	27/01/2039	सूर्य	28/12/2045
बुध	29/07/2003	केतु	29/07/2023	शुक्र	28/07/2029	सूर्य	29/07/2039	चंद्र	29/07/2046

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
29/07/2046		28/07/2064		28/07/2080		29/07/2099		29/07/2116	
28/07/2064		28/07/2080		29/07/2099		29/07/2116		00/00/0000	
राहु	10/04/2049	गुरु	15/09/2066	शनि	01/08/2083	बुध	26/12/2101	केतु	25/12/2116
गुरु	03/09/2051	शनि	29/03/2069	बुध	10/04/2086	केतु	23/12/2102	शुक्र	24/02/2118
शनि	10/07/2054	बुध	05/07/2071	केतु	20/05/2087	शुक्र	23/10/2105	सूर्य	02/07/2118
बुध	27/01/2057	केतु	09/06/2072	शुक्र	20/07/2090	सूर्य	29/08/2106	चंद्र	31/01/2119
केतु	14/02/2058	शुक्र	08/02/2075	सूर्य	02/07/2091	चंद्र	29/01/2108	मंगल	29/06/2119
शुक्र	14/02/2061	सूर्य	28/11/2075	चंद्र	30/01/2093	मंगल	25/01/2109	राहु	17/07/2120
सूर्य	09/01/2062	चंद्र	29/03/2077	मंगल	11/03/2094	राहु	14/08/2111	गुरु	15/10/2120
चंद्र	11/07/2063	मंगल	05/03/2078	राहु	15/01/2097	गुरु	19/11/2113		00/00/0000
मंगल	28/07/2064	राहु	28/07/2080	गुरु	29/07/2099	शनि	29/07/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 9 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मिथुन नवांश एवं धनु राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार आपके जीवन की परियोजना से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप धन-धान्य से पूर्ण, स्वस्थ्य एवं प्रसन्नतम जीवन यापन करने वाले प्राणी है। निःसंदेह एक भाग्यशाली होकर उत्पन्न हुए हैं।

आप हर परिस्थिति में अपने पक्ष एवं अपनी भलाई की आकांक्षा रखते हैं। आपका व्यक्तित्व आकर्षक एवं प्रतिभा संपन्न है। आप एक संवादपटु, दिलचस्प, उच्चस्तरीय, विवेकी प्राणी हैं। आप निर्भिक प्रभावशाली एवं जनसामान्य की दृष्टि में सच्चा व्यक्ति हैं। यदि कोई अन्य व्यक्ति आपको गलत दिशा निर्देश कर आपकों मुश्किल में डालना चाहता है, तो आप भ्रमित नहीं होते क्योंकि आप एक प्रसन्नतम परिवारिक जीवन से युक्त हो।

एक अच्छा व्यक्ति इससे अधिक और क्या अभिलाषा कर सकता है। आप स्वास्थ्य के दृष्टि से पूर्ण स्वस्थ्य रहेंगे। आपको व्यक्तिगत रूप से यह निर्देश है कि कुछ वर्षो के पश्चात जैसे वायु रोग गठिया, अल्सर, कफ, जुकाम, सर्दी तथा रक्तचाप जैसे रोगों से पूर्ण सत्तर्क रहे।

यदि आप पूर्व में इन रोगों के प्रति यदि सर्त्तकता नहीं बरते तो आपको दुःखी होकर रहना पड़ेगा। आप अपनी अच्छी उन्नति हेतु धर्म एवं दर्शन के प्रति दिलचस्पी लेकर संबंधित अच्छी भावनाओं से युक्त होकर गहन अध्यय कर सकते हैं। क्योंकि जीवन एक दर्शन है तथा आप धार्मिक दान-प्रदान हेतु कुछ धन का सदुपयोग कर सकते हैं।

आप अपनी अवस्था के 27 वें वर्ष में अथवा 31 वें वर्ष में अकस्मात् महान धनी हो सकते हैं। अन्यथा उपरोक्त दोनों समय में से कोई दो वर्ष आपके लिए अत्यधिक लाभजनक समय रहेगा। इस समय आप संगठनात्मक सेमिनार एवं सामूहिक वाद-विवाद का अच्छा संगठनात्मक आयोजन की क्षमता प्राप्त करेंगे। आप स्वभावगत अतिरिक्त योग्यता के अनुसार अपने भाषण के प्रभाव से लोगों को प्रभावित कर बुद्धिमानी में प्रवीणता प्राप्त कर लेंगे। यदि आप इस कार्य में अच्छी प्रकार उभर कर आए तो आपको यह आशा रहेगी कि आप आगे भी अपने कार्य में निश्चित सफलता प्राप्त कर सकते है। क्योंकि इससे मात्र आपका अस्तित्व ही नहीं बढ़ेगा बल्कि आपके विषय से संबंधित क्षेत्र भी विस्तृत होगा।

यद्यपि आप एक समझदार पत्नी एवं अच्छी संतान प्राप्त कर सर्व प्रकार से परिवारिक जीवन को मधुरतम एवं आनंददायक अनुभव करेंगे। क्योंकि आप छोटी-छोटी बातों को सोचकर क्रोधित हो जाते हो तथा शीघ्रता पूर्वक आपकी उत्तेजना का अंत हो जाता है। परिणामस्वरूप आप स्वतः अपनी गुस्ताखी का अहसास करते हो। आप इस प्रकार की वाह्य आक्रोश पर नियंत्रण रखे।

आपके व्यवसायों में अनुकूल पेशा, वकालत, लेखक, वक्ता, राजनीति अथवा धार्मिक प्रचारक का कार्य उत्तम प्रमाणित होता है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत

उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में महत्वपूर्ण अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक प्रभावशाली है। शेष अंक 2, 7 एवं 9 अंक त्याजनीय हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम रंग, नारंगी, नीला, हरा एवं सूआपंखी रंग शुभता प्रदायक है। परंतु रंग लाल, मोतिया एवं काला रंग प्रतिकूल है।